Under CSR Support by ipca | Foundation

ARJUN BATCH

11th HISTORY

बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएं

यूरोप पुनर्जागरण

CHAPTER 05 • PART -07

26 अगस्त 2026 || 03:00 PM



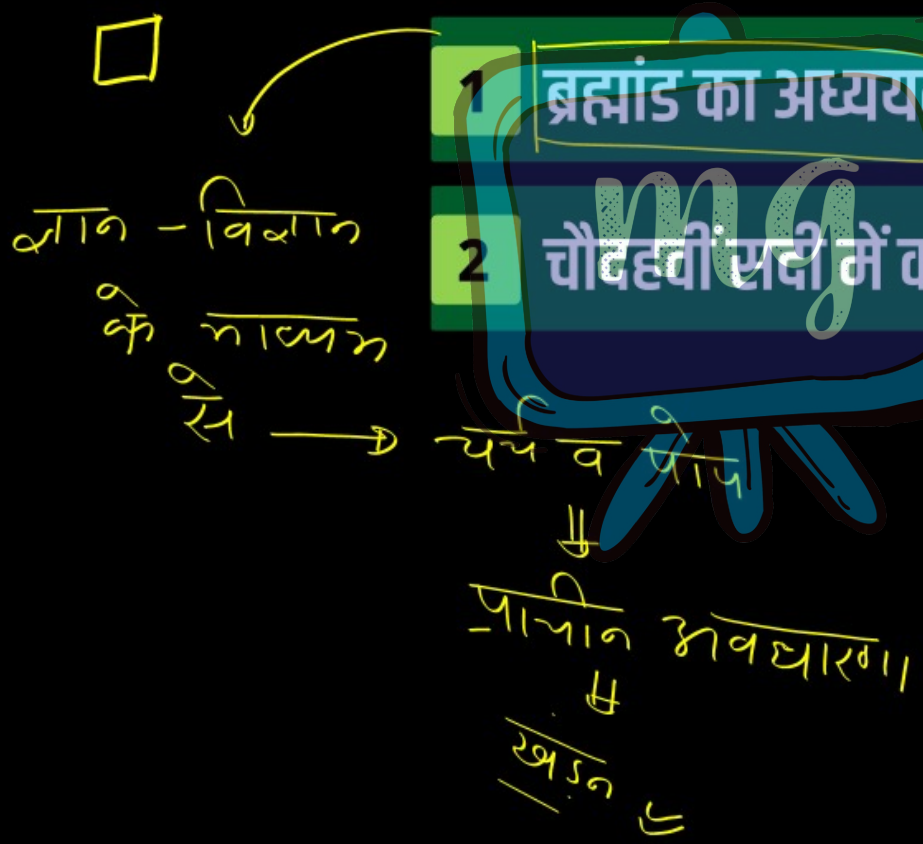
Under CSR Su ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

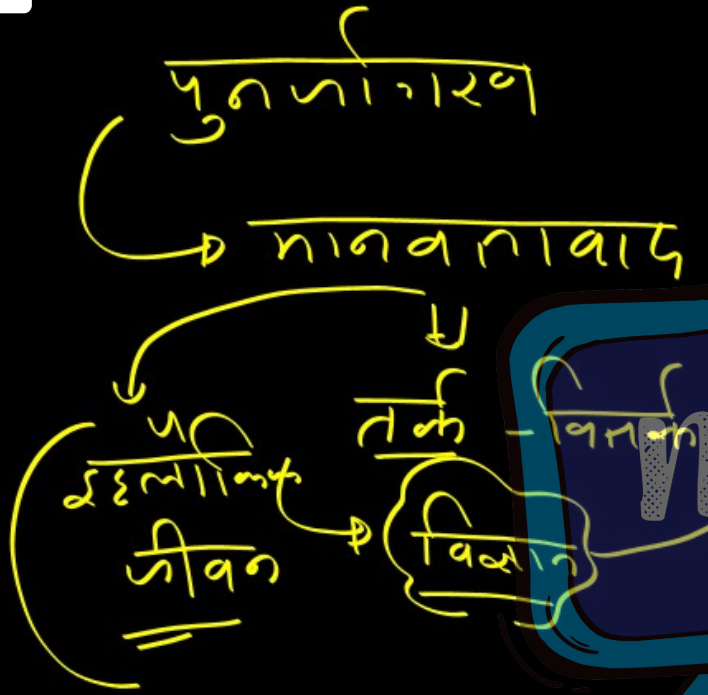
आज क्या पढ़ेंगे ?

1. ब्रह्मांड का अध्ययन
2. चौदहवीं सदी में क्या यूरोप में 'पुनर्जागरण' हुआ था?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ब्रह्मांड का अध्ययन

- अब भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान के क्षेत्र में अनेक प्रयोग और अन्वेषण कार्य होने लगे।
- इतिहासकारों ने मनुष्य और प्रकृति के ज्ञान के इस नए दृष्टिकोण को वैज्ञानिक क्रांति का नाम दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 1670 में बनी पेरिस अकादमी और 1662 में लंदन में गठित रॉयल सोसाइटी ने लोगों की जानकारी के लिए व्याख्यानों का आयोजन किया।
- सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रयोग करवाए।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

चौदहवीं सदी में क्या यूरोप में 'पुनर्जागरण' हुआ था?

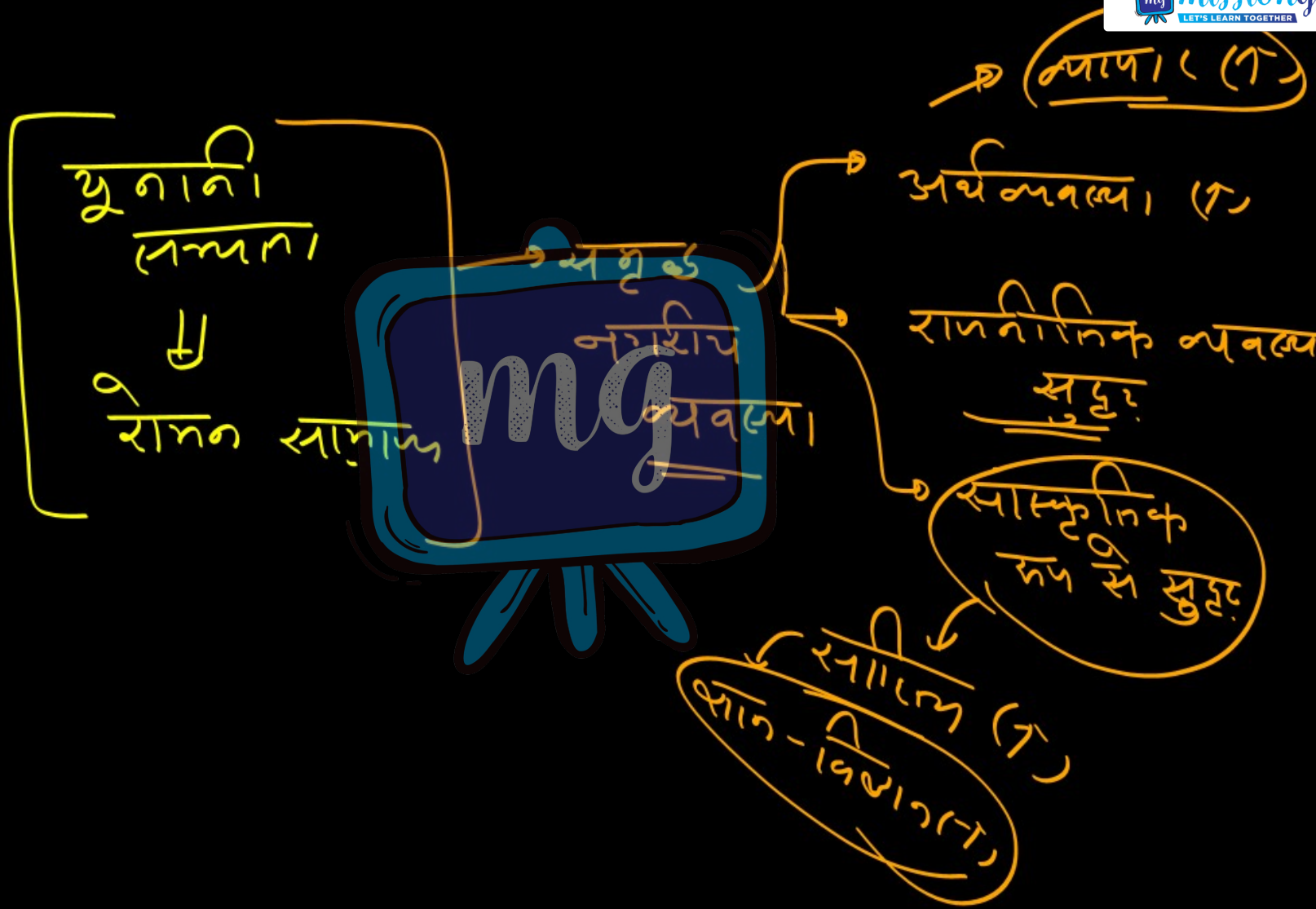
सबसे पहले 'पुनर्जागरण' शब्द का प्रयोग जैकब बर्कहार्ट



- इंग्लैंड के पीटर बर्क ने बर्कहार्ट के विचार को अतिशयोक्तिपूर्ण माना है।
- पुनर्जागरण शब्द से तात्पर्य है कि यूनानी और रोमन सभ्यताओं का चौदहवीं शताब्दी में पुनर्जन्म हुआ।
- इसके अनुसार पुनर्जागरण, गतिशीलता और कलात्मक सृजनशीलता का काल था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मध्यकाल को अंधकारमय काल माना गया जिसमें किसी प्रकार का विकास नहीं हुआ।
- इटली में पुनर्जागरण से जुड़े अनेक तत्व बारहवीं और तेरहवीं शताब्दी में पाए जा सकते हैं।
- कुछ इतिहासकारों के अनुसार नौवीं शताब्दी में फ्रांस में इसी प्रकार के साहित्यिक और कलात्मक रचनाओं के विचार पनपे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- एशिया में प्रौद्योगिकी और कार्य-कुशलता यूनानी और रोमन लोगों की तुलना में काफी विकसित थी।
- इस्लाम के विस्तार और मंगोलों की विजयों ने एशिया एवं उत्तरी अफ्रीका को यूरोप के साथ व्यापार और कार्य-कुशलता के ज्ञान को सीखने के लिए जोड़ दिया।
- यूरोपियों ने भारत, अरब, ईरान, मध्य एशिया और चीन से भी ज्ञान प्राप्त किया।

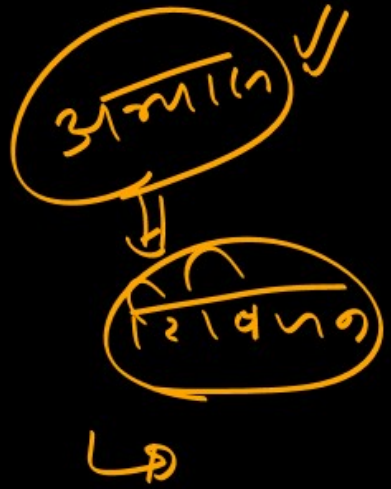
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इस काल की एक अन्य विशेषता यह थी कि भाषा के आधार पर यूरोप के विभिन्न क्षेत्रों ने अपनी पहचान बनानी शुरू की।
- इन राज्यों के आंतरिक जुड़ाव का कारण समान भाषा का होना था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 | चौदहवीं और पंद्रहवीं शताब्दियों में यूनानी और रोमन संस्कृति के किन तत्वों को पुनर्जीवित किया गया?

उत्तर :

- यूरोप में हुए परिवर्तनों का प्रभाव यूनान व रोमन संस्कृतियों पर भी पड़ा।
- 14वीं और 15वीं शताब्दी में शिक्षा व वाणिज्य में काफी प्रगति हो चुकी थी।
- जनता के मन में यूनानी व रोमन संस्कृतियों के अध्ययन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हुई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यूनानी और रोमन संस्कृति व सभ्यता से प्रभावित होकर मानव को ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना माना गया।
- अनेक चित्रकारों ने मानव से संबंधित विषयों पर अपनी रचनाएँ व चित्रकारियाँ कीं।
- दार्शनिक व तर्कवाद की प्रवृत्ति से प्रभावित होकर वैज्ञानिकों ने आविष्कार किए और लोगों को मध्यकाल के अंधकार से बाहर निकालने का प्रयास किया।
- रूढ़ियों व अंधविश्वासों का पर्दाफाश यूनानी व रोमन तर्कवाद के माध्यम से किया गया।

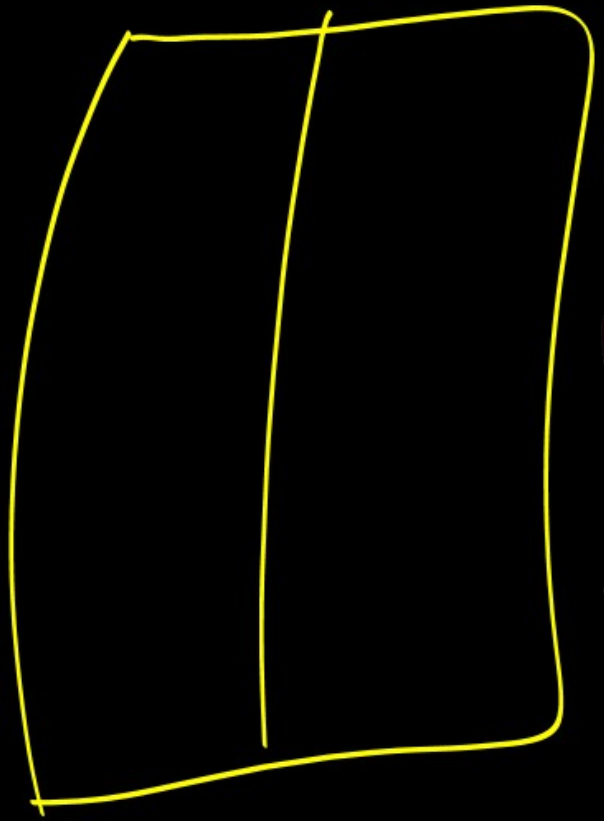
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- आत्मा और परमात्मा को छोड़कर लेखकों व चित्रकारों का मुख्य विषय मानव बन गया।
- इसके साथ-साथ अनेक व्यापारिक मार्गों की खोज के फलस्वरूप यूरोप व अन्य देशों की संस्कृतियों का पता चला और सभ्यताओं के सभी आवश्यक सांस्कृतिक तत्व पुनर्जीवित हुए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 इस काल की इटली की वास्तुकला और इस्लामी वास्तुकला की विशिष्टताओं की तुलना कीजिए ?

उत्तर :

- पंद्रहवीं शताब्दी में रोम नगर को अत्यंत भव्य रूप से बनाया गया।
- यहाँ अनेक भव्य भवनों व इमारतों का निर्माण किया गया।
- इटली की वास्तुकला के प्रारूप हमें गिरजाघरों, राजमहलों और किलों के रूप में दिखाई देते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इटली की वास्तुकला की शैली को शास्त्रीय शैली कहा जाता था।
- शास्त्रीय वास्तुकारों ने इमारतों को चित्रों, मूर्तियों और विभिन्न प्रकार की आकृतियों से सुसज्जित किया।
- जबकि इस्लामी वास्तुकला ने इमारतों, भवनों व मस्जिदों की सजावट के लिए ज्यामितीय नक्शों और पत्थर में पच्चीकारी के काम का सहारा लिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

